vinetur

यूरोप का वाइन उद्योग ईयू से संयमित सेवन और शराब के दुरुपयोग में फर्क करने की मांग कर रहा है

स्ट्रासबर्ग की चर्चा में सांसदों और वैज्ञानिकों ने विचार किया कि कैंसर नीति में वाइन को शराब के अन्य सेवन से अलग देखा जाना चाहिए या नहीं।

मंगलवार, 6 अक्टूबर 2026



यूरोप में शराब और स्वास्थ्य को लेकर बहस तेज हो रही है। सांसद यूरोपीय संघ की कैंसर रोकथाम रणनीति के कुछ हिस्सों पर फिर विचार करने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं वाइन क्षेत्र यह दलील दे रहा है कि नीति में हानिकारक सेवन और वाइन के संयमित सेवन के बीच फर्क किया जाना चाहिए।

हाल के दिनों में स्ट्रासबर्ग स्थित यूरोपीय संसद में आयोजित एक कार्यक्रम में यही संदेश केंद्र में रहा। इसमें वैज्ञानिकों, नीति-निर्माताओं और यूरोपीय वाइन उद्योग के प्रतिनिधियों ने "स्वास्थ्य पर बहस : क्या वाइन स्वस्थ जीवनशैली का हिस्सा हो सकती है ?" शीर्षक से चर्चा की। इस बैठक की मेजबानी सोशलिस्ट्स एंड डेमोक्रेट्स समूह के इतालवी सांसद Dario Nardella ने की और इसका आयोजन Comité Européen des Entreprises Vins (CEEV) ने किया। यह संस्था यूरोपीय संघ की वाइन कंपनियों का प्रतिनिधित्व करती है और Marzia Varvaglione इसके नेतृत्व में हैं।

यह बैठक ऐसे समय हुई जब यूरोपीय संस्थान सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति में शराब को किस तरह देखा जाना चाहिए, इस पर बहस जारी रखे हुए हैं। प्रतिभागियों द्वारा संदर्भित चर्चा के अनुसार, यूरोपीय संसद के नवीनतम प्रस्ताव में सामान्य रूप से शराब के सेवन और शराब के "हानिकारक सेवन" के बीच अंतर किया गया है। साथ ही, व्यापक नीतिगत बहस में लेबल पर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देने और विज्ञापन तथा प्रचार के अन्य तरीकों पर कड़ी सीमाएं लगाने की मांग भी शामिल रही है।

स्ट्रासबर्ग में हुए कार्यक्रम का केंद्र एक ऐसा सवाल था जो अब भी राजनीतिक रूप से संवेदनशील और वैज्ञानिक रूप से विवादित है : आहार, सामाजिक आदतों, पीने के तौर-तरीकों और जीवनशैली के व्यापक संदर्भ में वाइन का आकलन कैसे किया जाए। आयोजकों ने कहा कि चर्चा का उद्देश्य यह रेखांकित करना था कि स्वास्थ्य नीति सभी मादक पेयों पर एक जैसे व्यापक निष्कर्ष थोपने के बजाय वैज्ञानिक साक्ष्यों पर आधारित होनी चाहिए।

Varvaglione ने कहा कि वाइन क्षेत्र शराब के दुरुपयोग से जुड़े जोखिमों को स्वीकार करता है, लेकिन यूरोपीय नीति में अधिक सूक्ष्म दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उद्योग संयम, शिक्षा और सोच-समझकर चुनाव करने में विश्वास रखता है और उसका उद्देश्य लोगों को शराब पीने के लिए प्रोत्साहित करना नहीं है। उनके मुताबिक, लक्ष्य ऐसी संस्कृति को बनाए रखना है जिसमें वाइन पीने का चुनाव करने वाले वयस्क इसे सोच-समझकर और जिम्मेदारी से पी सकें।

कार्यक्रम की मेजबानी करने वाले Nardella ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा ईयू की मुख्य राजनीतिक जिम्मेदारियों में बनी रहनी चाहिए, लेकिन रोकथाम की नीति विज्ञान पर आधारित होनी चाहिए और लोगों के खानपान तथा व्यवहार की जटिलता को प्रतिबिंबित करना चाहिए। उन्होंने यूरोप के कृषि, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में वाइन की भूमिका का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि नीति-निर्माताओं का कर्तव्य है कि वे वैज्ञानिक साक्ष्यों को सुनें और साथ ही ग्रामीण इलाकों, स्थानीय समुदायों तथा पुरानी परंपराओं की वास्तविकताओं को भी पहचानें।

वैज्ञानिक चर्चा में इटली के दो शोधकर्ताओं ने हिस्सा लिया। तथाकथित ब्लू ज़ोन पर अपने काम के लिए जाने जाने वाले सास्सारी विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शोधकर्ता Gianni Pes ने कहा कि सार्डिनिया जैसी जगहों पर दीर्घायु होने की कोई एक वजह नहीं है। उन्होंने कहा कि वहां असाधारण दीर्घायु एक व्यापक जीवनशैली के साथ विकसित हुई है, जिसमें नियमित शारीरिक गतिविधि, पारंपरिक भोजन, परिवार और समुदाय के मजबूत रिश्ते, सामाजिक मेलजोल और साथ बैठकर भोजन करना शामिल है। उनके अनुसार, इस परिवेश में परंपरागत रूप से वाइन भी शामिल रही है और आम तौर पर इसे भोजन के साथ संयमित मात्रा में पिया जाता है, लेकिन उन्होंने इसे कहीं अधिक व्यापक तस्वीर का केवल एक हिस्सा बताया।

Pes ने कहा कि वाइन और स्वास्थ्य के बीच संबंध जटिल है और विज्ञान में इस पर बहस जारी है। इसे उस व्यापक संदर्भ से अलग करके नहीं देखना चाहिए जिसमें लोग खाते-पीते और रहते हैं। उनकी बातों में कार्यक्रम का एक मुख्य विचार झलका : विज्ञान और नीति, दोनों को शराब के हर तरह के सेवन को एक जैसा मानने के बजाय सेवन के तौर-तरीकों और पीने के आसपास की परिस्थितियों पर ध्यान देना चाहिए।

वाइन, फूड एंड हेल्थ रिसर्च इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष और गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट Attilio Giacosa ने भी यही बात कही, साथ ही शराब से जुड़े जोखिमों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शराब का दुरुपयोग निस्संदेह हानिकारक है और कुछ लोगों तथा परिस्थितियों में शराब का सेवन बिल्कुल नहीं किया जाना चाहिए। साथ ही, उनके अनुसार वैज्ञानिक शोध में मात्रा, सेवन की आवृत्ति, भोजन के साथ सेवन और आहार तथा जीवनशैली के व्यापक संदर्भ को भी परखना चाहिए। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों की भूमिका यह सुनिश्चित करना है कि जन-सूचना और सार्वजनिक नीति साक्ष्यों की पूरी जटिलता को प्रतिबिंबित करें।

यह कार्यक्रम कैंसर, हृदय तथा रक्तवाहिका संबंधी बीमारियों और अन्य गैर-संचारी रोगों को लेकर यूरोप तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी व्यापक नीतिगत बहस के बीच हुआ। ब्रसेल्स और स्ट्रासबर्ग में ये चर्चाएं अधिक विवादास्पद हो गई हैं। स्वास्थ्य समर्थक जहां कड़ी चेतावनियों और प्रतिबंधों की मांग कर रहे हैं, वहीं कृषि और वाइन उद्योग से जुड़े

समूहों का कहना है कि नीति में उत्पाद, संस्कृति और उपयोग के बीच के फर्क को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। वाइन उत्पादक भी पूर्ण परहेज के बजाय जिम्मेदार सेवन के नजरिये से इस मुद्दे को रखने की कोशिश कर रहे हैं, खासकर उन देशों में जहां वाइन का खेती, निर्यात और स्थानीय पहचान से गहरा जुड़ाव है।

CEEV के महासचिव Ignacio Sánchez Recarte ने कहा कि इस बैठक ने यूरोप के प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों से निपटने की दिशा तय करते समय विज्ञान और राजनीति के बीच खुले संवाद की जरूरत को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र को पूरे समाज को साथ लेकर चलने वाले दृष्टिकोण की जरूरत है, जिसमें हितधारकों समेत सभी पक्ष चर्चा का हिस्सा हों और विज्ञान, जिम्मेदारी तथा शिक्षा केंद्र में रहें।

स्ट्रासबर्ग की चर्चा से स्वास्थ्य नीति में शराब को किस तरह पेश किया जाना चाहिए, इस बुनियादी विवाद का समाधान नहीं निकला। हालांकि, इससे पता चला कि ईयू के आगामी फैसलों से पहले यह मुद्दा कितनी तीखी बहस का विषय बना हुआ है। सांसदों के सामने सवाल है कि बीमारी की रोकथाम को वैज्ञानिक अनिश्चितता, आर्थिक हितों और सांस्कृतिक परंपराओं के साथ कैसे संतुलित किया जाए। वाइन क्षेत्र का तात्कालिक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि भविष्य के यूरोपीय नियम वाइन को केवल स्वास्थ्य जोखिम के रूप में न देखें, बल्कि इस बात का भी ध्यान रखें कि इसका सेवन कैसे, कब और किन परिस्थितियों में किया जाता है।